पुना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

# MONTH- JUNE

## CLASS- 6

## SUB- SANSKRIT

# द्वितीयःपाठः

## शब्दपरिचयः II
## (शब्दो के परिचय)

# तृतीयः पाठः

## शब्दपरिचयः III
## (शब्दो के परिचय)

# अध्ययन पध्धति

- पाठ वांचन
- पाठ समजूति
- शब्दार्थाः
- प्रश्नोतरी
- अभ्यासकार्य
- व्याकरण
- साहित्य
- प्रवृति

# पाठः द्वितीय

## शब्दपरिचयः II

## (शब्दो के परिचय)

# पाठ का परिचय

- इस पाठ में आकारान्त स्त्रीलिङ्ग शब्दो से परिचय कराया गया है।
- आकारान्त शब्द वे होते है जिनके अंत में 'आ' आता है।
- यथा- लता, अध्यापिका, वाटिका आदि
- आकारान्त स्त्रीलिङ्ग शब्दो के साथ प्रयोग में आने वाले सर्वनाम यथा- सा, एषा, का भी पाठ में आए है।
- इस पाठ में संज्ञा, सर्वनाम तथा कियापद तीनो का प्रयोग तीनो वचनो में आया है।

# शब्दार्थाः

- एषा – यह
- का – कौन
- दोला – झुला
- घटिका – घड़ी
- सूचयति – सूचित करती है।
- कोकिले – दो कोयले
- वाहनम – गाड़ी को
- चटके – दो चिड़िया
- गोलाकाराः – गोल आकार वाली
- स्थालिकाः – थालियाँ
- कुर्वन्ति – करती है
- अजाः – बकरिया
- आम – हाँ
- चालिके – दो महिला चालक

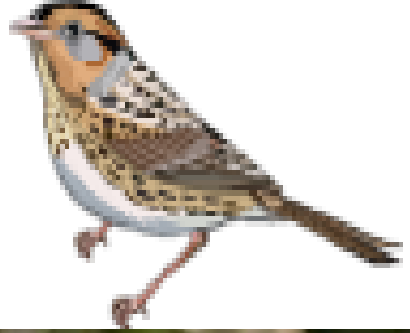

# शब्दों के परिचय

चित्राणि दृष्ट्वा पदानि उच्चारयत।

- सूचिका
- पिपीलिका
- कुञ्चिका
- द्विचक्रिका
- उत्पीठिका
- मक्षिका
- अग्निपेटिका
- मापिका
- वीणा

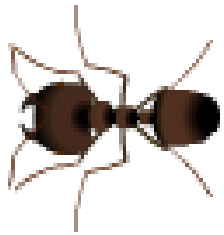
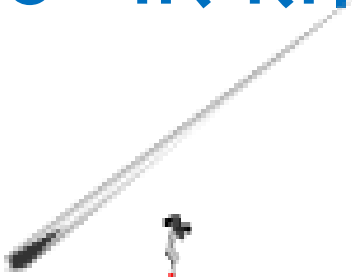
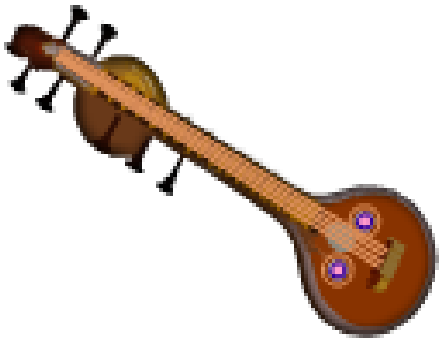

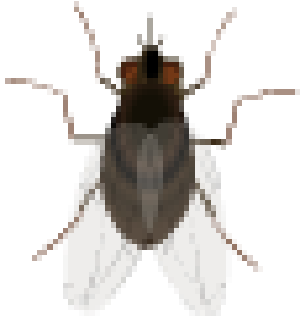

# व्याकरण

**प्र– 2(क) वर्णसंयोजनं कृत्वा पदं कोष्ठके लिखत-**

| 1-क् + उ + र् + उ + त् + अः | = | करुतः |
|---|---|---|
| | | |
| 2- उ + द् + य् + आ + न् + ए | = | उद्याने |
| | | |
| 3- स् + थ् + आ + ल् + इ + क् + आ | = | स्थालिका |
| | | |
| 4- घ् + अ + ट् + इ + क् + आ | = | घटिका |
| | | |
| 5- स् + त् + र् + ई + ल् + इ + ङ् + ग् + अः | = | स्त्रीलिंगः |
| | | |
| 6- म् + आ + प् + इ + क + आ | = | मापिका |

## (ख) पदानां वर्णविच्छेदं प्रदर्शयत-

यथा- कोकिले= क् + ओ + क् + इ + ल् + ए

| | | |
|---|---|---|
| 1-चटके | = | च् + अ + ट् + अ + क् + ए |
| 2- धाविकाः | = | ध + आ + व् + इ + क् + आः |
| 3- कुञ्चिका | = | क् + उ + ञ् + च् + इ + क् + आ |
| 4- खट्वा | = | ख् + अ + ट् + व् + आ |
| 5- छुरिका | = | छ् + उ + र् + इ + क् + आ |

# अध्ययन प्रवृति

- साप्ताहिक मूल्यांकन
- पक्षीओं के पञ्च नामानि लिखत।

# अध्ययन मूल्यांकन

- शब्दो के नाम संस्कत में जाने।
- संस्कत शब्दो के नाम उच्चारण करना शीखे।

# पाठःतृतीय

# शब्दपरिचयः III

## (शब्दो के परिचय)

# पाठ का परिचय

- इस पाठ में अकारान्त नपुंसकलिङ्ग शब्दो से परिचय कराया गया है।
- वस्त्र, फल, क्षत्र, अन्न, बस्यान आदि नपुंसकलिङ्ग शब्द होते है।
- संस्कत में संज्ञा ओर सर्वनाम के रुप लिंग पर आधारित होते है।
- वचन के अनुसार भी उनमे रुपांतर आता है।
- नपुंसकलिङ्ग शब्दो के चित्र भी दिये है।

# शब्दार्थाः

- खनित्रम – कुदाल
- श्रमिका – मज़दूरनी
- भित्तिकम – दीवार
- सुवर्णकारः – सोनार
- रेलस्थानकं – रेल्वे स्टशन
- करवस्त्राणि – रुमाल
- पोषकानि – पौष्टिक
- कदलीफलानि – केले
- एतत – यह
- तत – वह
- किम – क्या
- अत्र – यहा
- एते – ये दो
- क्त्र – कहा
- स्तः – है
- एतानि – ये सब
- कानि – क्या
- तानि – वे
- सन्ति – है

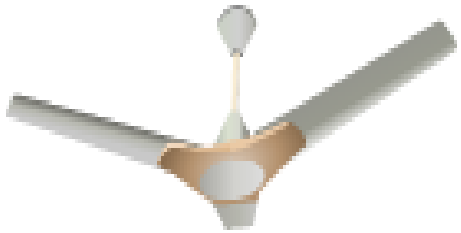

# शब्दो के परिचय

चित्राणि दृष्ट्वा पदानि उच्चारयत।

- पर्णम्
- क्रीडनकम्
- नारिकेलम्

- सङ्गणकम्
- वातायनम्
- सोपानम्

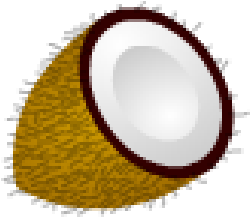

- उद्यानम्
- उपनेत्रम्
- कङ्कतम्

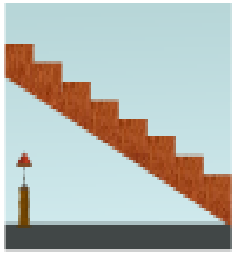

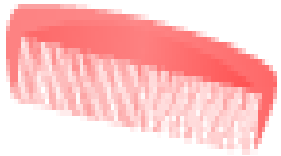

# व्याकरण

## प्र–2–(क) वर्णसंयोजनं कृत्वा पदं कोष्ठके लिखत-

| | | |
|---|---|---|
| 1-प् + अ + र् + ण् + अ + म् | = | पर्णम् |
| 2- ख् + अ + न् + इ + त् + र् + अ + म् | = | खनित्रम् |
| 3- प् + उ + र् + आ + ण् + आ + न् + इ | = | पुराणानि |
| 4- प् + ओ + ष् + अ + क् + आ + ण् + इ | = | पोषकाणि |
| 5- क् + अ + ङ् + क् + अ + त् + अ + म् | = | कङ्कतम् |

## (ख) अधोलिखितानां पदानां वर्णविच्छेदं कृरुत-

| | | |
|---|---|---|
| 1-व्यजनम् | = | व् + य् + अ + ज् + अ + न् + अ + म् |
| 2- पुस्तकम् | = | प् + उ + स् + त् + अ + क् + अ + म् |
| 3- भित्तिकम् | = | भ् + इ + त् + त् + इ + क् + अ + म् |
| 4- नूतनानि | = | न् + ऊ + त् + अ + न् + आ + न् + इ |

# अध्ययन प्रवृति

- साप्ताहिक मूल्यांकन
- नपुंसकलिङ्ग शब्दो के पञ्च नामानि लिखत।

# अध्ययन मूल्यांकन

- शब्दो के नाम संस्कत में जाने।
- संस्कत शब्दो के नाम उच्चारण करना शीखे।

Thank
you